Functionality of Driving Training School

30. Ch. AFTAB AHMED, (Nuh);

Will the Transport Minister be pleased to state:-

a). The steps taken by the State Government in regard to the proposed driving Training school in village Chhapeda of Nuh in the last 9 years: and

b). the time by which the said school is likely to be made functional together with the details thereof.

MOOL CHAND SHARMA **TRANSPORT MINISTER.**

a) Sir, the steps taken with regard to setting up of Institute of Driving Training and Research (IDTR) in village Chhapeda, Nuh are laid on the table of the House:

a. CM Announcement was made on 23.10.2016 for setting up of IDTR in village Chhapeda, Nuh.

b. Land measuring 87 kanal was taken from Gram Panchayat and transferred in the name of Transport Department in the year 2017.

c. M/s. Maruti Suzuki India expressed its willingness in the beginning to act as a private player but the Memorandum of understanding could not be finalized.

d. Subsequently, M/s. Tata Motors Ltd was chosen as Original Equipment Manufacturer (OEM) partner on 27.02.2018 and a society was formed on 03.01.2019 to carry out the construction work of the IDTR.

e. Hon'ble CM Haryana laid down foundation stone to establish Institute of Driver Training and Research on 03.03.2019.

f. Thereafter, tendering process for appointment of Architect consultant continued for a long- time but could not be finalized, so Central Institute of Road Transport (CIRT), Pune was contacted to prepare and send the detailed layout plan, for construction of the IDTR.

g. The requisite proposal from CIRT Pune has been recently received after long-time on 26.12.2022. The proposal of CIRT Pune is under examination and will be finalized soon.

h. Total cost of the project was Rs. 13.96 crore to be borne by Ministry of Minority Affairs, Govt. of India and State Govt. in equal ratio. Funds to the tune of Rs. 698 lakhs i.e. Rs. 349 lakhs each were received from State Govt. and Govt of India.

b) The time limit for the completion of the aforesaid project cannot be ascertained at this stage. However, it is likely to take one year more to complete.

****

चालक प्रशिक्षण स्कूल की कार्यात्मकता

30. **चौ. आफताब अहमद (नूंह) :**

क्या परिवहन मंत्री कृपया बताएंगे कि:

क) गत 9 वर्षों में नूंह के गांव छपेड़ा में प्रस्तावित चालक प्रशिक्षण स्कूल के संबंध में राज्य सरकार द्वारा क्या पग उठाए गए; तथा

ख) उक्त स्कूल के कब तक कार्यात्मक बनाए जाने की संभावना है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

मूल चन्द शर्मा — **परिवहन मन्त्री**

क) श्रीमान जी, गांव छपेड़ा, नूंह में चालक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (आईडीटीआर) के निर्माण हेतु उठाए गए पगों का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है:–

क. गांव छपेड़ा, नूंह में आईडीटीआर स्थापित करने हेतु मुख्यमंत्री घोषणा दिनांक 23.10.2016 को की गई।

ख. गांव पंचायत से 87 कनाल भूमि ली गई तथा वर्ष 2017 में परिवहन विभाग के नाम हस्तांतरित की गई।

ग. मैसर्स मारुति सुजुकी इंडिया ने शुरुआत में एक निजी खिलाड़ी के रूप में कार्य करने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।

घ. तत्पश्चात्, मैसर्स टाटा मोर्टस को 27.02.2018 को मूल उपकरण निर्माता (OEM) भागीदार के रूप में चुना गया था और आईडीटीआर के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 03.01.2019 को एक सोसायटी का गठन किया गया।

ड. माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा ने चालक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान की स्थापना के लिए दिनांक 03.03.2019 को आधारशिला रखी।

च. इसके उपरांत वास्तुकार सलाहकार की नियुक्ति के लिए निविदा प्रक्रिया लंबे समय तक चलती रही लेकिन इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका, इसलिए केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान (सीआईआरटी), पुणे से आईडीटीआर के निर्माण हेतु विस्तृत परिस्थिति योजना को तैयार करने एवं भेजने हेतु सम्पर्क किया गया।

छ. केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान (सीआईआरटी), पुणे से अपेक्षित प्रस्ताव काफी लम्बे समय के बाद हाल ही में 26.12.2022 को प्राप्त हुई। सीआईआरटी पुणे के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है और इसे जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

ज. परियोजना की कुल लागत रुपये 13.96 करोड़ थी जो अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा समान अनुपात में वहन की जानी थी। कुल 698 लाख रुपये की राशि जिसमें से 349 लाख रूपये राज्य सरकार से तथा 349 लाख रूपये भारत सरकार से प्राप्त हुए।

ख) उपरोक्त परियोजना के पूरा होने की समय सीमा इस समय सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। तथापि, इसे पूरा होने में एक साल और लगने की संभावना है।